तुम्हारे दर्शन से भगवान | By Rakesh Kumar Sharma

तुम्हारे दर्शन से भगवन,
प्रकट हो जावे अतमज्ञान।।
तुम्हारे दर्शन से भगवन,
प्रकट हो जावे अतमज्ञान।।

मैंने काल अनादि गवाया,
विषयो संग बहु दुःख पाया....
मैंने काल अनादि गवाया,
विषयो संग बहु दुःख पाया....
मुझको यह भी पता नहीं पाया,
मैं भी बन सकता भगवान।।
तुम्हारे दर्शन से भगवन,
प्रकट हो जावें अतमज्ञान।।

नर्क पशुतन में दुःख उठाया,
सुख नहीं देव गति में पाया....
नर्क पशुतन में दुःख उठाया,
सुख नहीं देव गति में पाया.....
मैंने नर तन यूँ ही गवाया,
निशदिन पर को आ पा मां।।
तुम्हारे दर्शन से भगवन,
प्रकट हो जावे अतमज्ञान।।

जबसे मूरति देखि है तेरी,
जड़ मति दूर हुई है मेरी.....
जबसे मूरति देखि है तेरी,
जड़ मति दूर हुई है मेरी.....
अब मैं काटूंगा भव फेरी,
धार कर तुम चरणों में ध्यान।।
तुम्हारे दर्शन से भगवन,
प्रकट हो जावे अतमज्ञान।।

अब मैं इन भोगो को त्यागु,
तेरे चरणों में चित पागु।।
अब मैं इन भोगो को त्यागु,
तेरे चरणों में चित पागु।।
फिर मैं आतम में ही लागू,
पाऊं निश्चय मोक्ष महान।।
तुम्हारे दर्शन से भगवन,
प्रकट हो जावे अतमज्ञान।।

तुम्हारे दर्शन से भगवन,
प्रकट हो जावै अतमज्ञान।।
तुम्हारे दर्शन से भगवन,
प्रकट हो जावे अतमज्ञान।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%97%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-rakesh-kuma/